

10/12
15/12/25

राहुत जनाय बाणिने हेनी

मागण
प्राणी/वाही ही गौर के ऊपर बाका
नीक चुनारि न गामर बावत विजे ज्ये
जने बा बावनी निमत पेरी के पुन
गामणे पेरी पर ती गये / प्राणी/वाही
उपाय निवेज दिया कि वादी बाक में
गारे केरि बावनी नी बावत में कत
बाक के विजे के खातिर दिया पडि /
प्राणी/वाही के पुन गाम / जवलेन कपी
वा के कते नी दसग बावत के ले
बाक के सतापे जाने के कते कोचित
नी ही कत वाही के बाक विजे के
खातिर दिया जात है / प्राणी/वाही के कत मुक
लेर इति केवले कत केरि बाक
इतरती / निवेज बावत के मागण
कि निवेज प्रकट करे इतरत उपाय गाम

li.